

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज रेफरेन्स / एल.आर. / 6208 / 2006 / करौली राजस्थान सरकार बनाम पूरन वगैरह	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
	<p style="text-align: center;">एकलपीठ श्री आर.के.जायसवाल, सदस्य</p> <p>उपस्थित : श्री शोकिंदलाल गुर्जर, उप राजकीय अभिभाषक। अभिभाषक अप्रार्थी बावजूद सूचना उपस्थित नहीं</p> <p style="text-align: center;">—</p> <p style="text-align: center;">आदेश</p> <p>राजस्थान भू राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 82 के अन्तर्गत यह रेफरेन्स अतिरिक्त जिला कलेक्टर करौली ने अपने निर्णय व अभिशंषा दिनांक 8-1-03 द्वारा राजस्व मण्डल को प्रेषित किया गया है।</p> <p>रेफरेन्स प्रकरण के सुसंगत तथ्य संक्षेप में इस प्रकार हैं कि तहसीलदार हिण्डोन ने एक रेफरेंस प्रार्थना पत्र अति० जिला कलेक्टर, को प्रस्तुत करते हुये निवेदन किया कि विवादित आराजी खसरा नंबर 231 रकबा 1 बीधा 6 बिस्वा ग्राम मुकुंदपुरा मुताबिक जमाबंदी संवत् 2019 से 2022 में माफी मंदिर श्री सीताराम जी वाके हिण्डोन पुजारी जैरामदास पुत्र कन्यादास ब्राहमण साकिन हिण्डोन की खातेदारी में दर्ज थी। उक्त आराजी के नवीन खसरा नंबर 513 रकबा 0.38, 574 रकबा 0.09, 575 रकबा 0.17, 576 रकबा 0.11 कुल कित्ता 4 रकबा 0.75 हैक्टर जमाबंदी संवत् 2054-57 के खाता संख्या 75 के अनुसार अवैध हस्तांतरण पूरन पुत्र भम्बल, बीरबल पुत्र प्रभू जाति माली सा० मुकन्दपुरा के किया गया। माफी मंदिर की भूमि का नियम विपरीत हस्तांतरण हुआ है। मन्दिर माफी की भूमि को निजी व्यक्तियों के नाम खातेदारी में दर्ज किया जाना अवैध है। उक्त प्रविष्टियों को विलोपित कर वादग्रस्त भूमि को वापिस माफी मंदिर के नाम दर्ज करने हेतु तहसीलदार द्वारा रेफरेंस प्रकरण अति० जिला कलेक्टर को प्रस्तुत किया। अति० जिला कलेक्टर द्वारा अपने निर्णय दिनांक 8-1-2003 द्वारा रेफरेंस प्रार्थनापत्र को स्वीकार कर वादग्रस्त भूमि को माफी मंदिर के नाम खातेदारी में दर्ज करने हेतु यह रेफरेंस राजस्व मंडल में प्रेषित किया है।</p> <p style="text-align: center;">विद्वान उपराजकीय अभिभाषक का</p>	

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज रेफरेन्स / एल.आर. / 6208 / 2006 / करौली राजस्थान सरकार बनाम पूरन वगैरह	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
	<p>अभिकथन है कि विवादित भूमि माफी मंदिर के नाम से राजस्व अभिलेखों में दर्ज थी। चूंकि मन्दिर शाश्वत नाबालिग है, और माफी मन्दिर विराजमान शाश्वत नाबालिग की खातेदारी भूमि होने के कारण उसका अन्तरण किसी भी व्यक्ति को नहीं किया जा सकता और ना ही उक्त भूमि में किसी व्यक्ति को खातेदारी अधिकार प्रदान किये जा सकते हैं। बिना किसी सक्षम आदेश के विवादित भूमि मंदिर के स्थान पर विधि विरुद्ध अप्रार्थीगण के नाम दर्ज कर दी गई है, जो राजस्थान काश्तकारी अधिनियम व राजस्थान भू राजस्व अधिनियम का स्पष्ट उल्लंघन है। अतः जमाबन्दी में अप्रार्थीगण के नाम अंकित प्रविष्टियां निरस्त किये जाने योग्य है एवं विवादित आराजी की खातेदारी पुनः माफी मन्दिर के नाम पर दर्ज किया जाना न्यायोचित है।</p> <p>अभिभाषक अप्रार्थी बावजूद सूचना उपस्थित नहीं। एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई गई। उप राजकीय अभिभाषक की एकतरफा बहस पर मनन किया गया और पत्रावली का आद्योपांत अवलोकन व अध्ययन किया गया।</p> <p>प्रस्तुत राजस्व रिकोर्ड अनुसार विवादित आराजी खसरा नंबर 231 रकबा 1 बीधा 6 बिस्वा ग्राम मुकुंदपुरा मुताबिक जमाबंदी संवत् 2019 से 2022 में माफी मंदिर श्री सीताराम जी वाके हिण्डोन पुजारी जैरामदास पुत्र कन्यादास ब्राहमण साकिन हिण्डोन की खातेदारी में दर्ज थी। उक्त आराजी के नवीन खसरा नंबर 513 रकबा 0.38, 574 रकबा 0.09, 575 रकबा 0.17, 576 रकबा 0.11 कुल किता 4 रकबा 0.75 हैक्टयर जमाबंदी संवत् 2054-57 के खाता संख्या 75 के अनुसार अवैध हस्तांतरण पूरन पुत्र भम्बल, बीरबल पुत्र प्रभू जाति माली सा0 मुकन्दपुरा के किया गया। विवादित आराजी मंदिर के नाम दर्ज थी जो बाद में बिना किसी आधार के अप्रार्थीगण के नाम दर्ज कर दी गई। माफी मंदिर की भूमि का नियम विपरीत हस्तांतरण हुआ है।</p> <p>राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 16 एवं 46 के अन्तर्गत मन्दिर मूर्ति की भूमियां</p>	

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज रेफरेन्स / एल.आर. / 6208 / 2006 / करौली राजस्थान सरकार बनाम पूरन वगैरह	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
	<p>सार्वजनिक प्रयोजनार्थ धारित की जाती है एवं मन्दिर मूर्ति विधिक व्यक्ति होता है जिसे सम्पत्ति धारण करने का अधिकार होता है एवं उसकी कृषि भूमि में कोई निजी व्यक्ति खातेदारी अधिकार प्राप्त नहीं कर सकता है। राजस्व विधि में मन्दिर मूर्ति को शाश्वत अव्यस्क माना जाकर उसके स्वत्व व खातेदारी अधिकार की भूमि का किसी भी प्रयोजनार्थ हस्तान्तरण वर्जित है। इस प्रकार मन्दिर मूर्ति की भूमि का अप्रार्थी के नाम अन्तरण, नामांकन तथा राजस्व अभिलेख में अंकन पूर्णतया विधि विरुद्ध होने से अवैध एवं प्रभाव शून्य है। मन्दिर एक शाश्वत नाबालिग है और juristic person है। मन्दिर की भूमि चाहे किसी भी व्यक्ति द्वारा काशत क्यों न की जा रही हो, चाहे सबायत, पुजारी, एजेंट या मजदूर को मजदूरी देकर काशत करायी गयी हो, वह मन्दिर की खुदकाशत मानी जावेगी व उसके खातेदारी अधिकार मन्दिर के अलावा किसी भी व्यक्ति में निहित नहीं होंगे। अतः विवादित आराजी वर्तमान अप्रार्थीगण के नाम विधिक प्रावधानों के विपरीत होने से निरस्तनीय है। रेफेरेंस स्वीकार किये जाने योग्य है।</p> <p>निष्कर्षतः हस्तगत रेफरेन्स प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाकर संबंधित नामांतकरण निरस्त किये जाकर विवादित आराजी को पुनः “माफी मंदिर श्री सीतराम जी वाके हिण्डोन” के नाम बतौर खातेदार दर्ज करने एवं सुसंगत समस्त राजस्व अभिलेखों से अप्रार्थीगण के नाम विलोपित करने के आदेश दिये जाते हैं।</p> <p>निर्णय सुनाया गया।</p> <p style="text-align: right;">(आर.के.जायसवाल) सदस्य</p>	